अंक – एक सौ तिरानबे Volume - 193

JUNE 2025

Monthly Newsletter of Maharishi Organisation – India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

E-GYAN

महर्षि संवत्सर 108, विक्रम संवत्सर 2082,
आषाढ़ शुक्ल पक्ष 15, गुरुवार 10 जुलाई 2025

श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव 2025 विशेषांक

• E-mail - cpr@mssmail.org • Website - www.e-gyan.net

Maharishi Ji Speaks to Students

Unfolding the full potential of action through Maharishi's Transcendental Meditation Programme: Integrating all five aspects of action for material, mental, and spiritual fulfilment

The Philosophy of Action demands consideration of five factors: the basis of action, the actor, the means of action, the quality of action, and the outside influence on action.

Action results in two kinds of fulfilment: physical and spiritual.

With the alternation of Maharishi's Transcendental Meditation and activity, the unbounded awareness experienced during the Transcendental Meditation Technique becomes stabilized in activity. This brings stability to one's feelings and emotions and makes activity more effective at the same time.

Integration in one's awareness of the extreme value of silence of the Transcendent and the extreme value of activity produces maximum results for both the physical, or material value of action, and the spiritual value of action.

The most valuable aspect of the reward of action is spiritual fulfilment, or development of the full potential of consciousness, so that unbounded awareness becomes a living reality in any situation.

Real joy of life is available only in Cosmic Consciousness, when unbounded awareness has become a permanent reality and one is a witness to all action. The actor can enjoy the full value of the fruit of his action only if he has that level of awareness which does not allow him to be involved in the performance of action.

The senses of perception and the organs of action are the physical means of action. But because the start of action is from desire, and the basis of the desire is the source of thought, pure consciousness, the real spur of action is pure consciousness.

Knowledge is structured in consciousness. Knowledge is the basis of action, action is the basis of achievement, and achievement is the basis of fulfilment. The ability to accurately and faultlessly use knowledge to gain maximum fruit of action depends upon the settled state of one's consciousness.

Pure consciousness is both the actor and the basis of action activity is just the expression of consciousness. By handling the one basic element of pure consciousness, all five factors of action are enriched and handled automatically.

The Philosophy of Action reveals that even the aspect of action that is the outside influence is the expression of one's own awareness and therefore can be controlled by handling consciousness.

Consciousness is unbounded, and unboundedness permeates all boundaries. All impulses of Creative Intelligence have their seat in that non-active field of unboundedness which is pure consciousness, the home of all the Laws of Nature.

It is from this field of transcendence that Cosmic Creative Intelligence functions in favour of the evolution of all expressions of life. When the actor's awareness is pure and unbounded and is established on this level of Cosmic Intelligence, the home of all creative impulses, he does least and accomplishes most, because that Cosmic Creative Intelligence is capable of doing nothing and accomplishing everything.

The most efficient actor is capable of averting the danger that has not yet come, because in Cosmic Consciousness every impulse of activity is supported by all the Laws of Nature. When the actor has this sympathy of all the Laws of Nature, then the influence from outside will always be favourable, in support of evolution and individual action.

By handling the pure nature of one's own consciousness, not only is one the best actor having the most profound basis of action, the most effective means of action, and best quality of action but also one has the best possible influence from outside. The key to all success in action is the unfoldment of the full potential of consciousness. This is the insight of the Philosophy of Action and the message of Maharishi's Science of Creative Intelligence.

ब्रह्मचारी गिरीश जी, अध्यक्ष
महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

अमृत विचार प्रवाह .....

चेतना ही जीवन है

जीवन–शैली अव्यवस्थित व चेतना विहीन होने के कारण प्रायः लोग कार्य को कल पर टालने के अभ्यस्त हो जाते हैं, किंतु कल के लिए जीवन को स्थगित करने से बड़ी दूसरी कोई गलती नहीं, क्योंकि कल जीवन नहीं, मृत्यु है। एक महोदय कंजूस थे, उन्होंने स्वयं को जीवन से वंचित करके तीन लाख रुपये बचाये थे। उन्होंने सोचा था कि जीवन के अंतिम समय में वह इस बचत से जीवन का आनंद उठाएँगे। यह भी आश्चर्य जनक है कि हम सभी कितना एक जैसा सोचते हैं या संभवतः हम किंचित मात्र भी नहीं सोचते। वर्तमान जीवन का आनंद लेने के स्थान पर वह कंजूस महोदय पैसे जमा किए जा रहे थे। एक रात यमदूत ने उनके द्वार पर दस्तक दी। वह अभी भी कल के लिए जीवन को स्थगित कर रहे थे और मृत्यु आ गई। कंजूस महोदय यमदूत को कम से कम एक और दिन जीने देने के लिए मनाने का प्रयास करने लगे, किंतु यमदूत उन्हें सुनने को बिल्कुल तैयार न थे। उन्होंने उस कंजूस महोदय से कहा, जो जीना चाहता है, वह आज में रहता है। जीने के लिए आज पर्याप्त है। हाँ यह उन लोगों के लिए पर्याप्त नहीं है. जो मात्र मरना चाहते हैं। वे सदैव कल के लिए जीते रहते हैं और कल में ही रहते हैं। कोई और मार्ग न देखकर कंजूस महोदय अपना समस्त संचित धन निकाल ले आये और उसे यमदूत को देते हुए कहा, 'यह मेरा सम्पूर्ण जीवन है। इसे ले लें और मुझे जीने के लिए मात्र एक और दिन अवश्य दें। किंतु यमदूत राजी नहीं हुए। आप जीवन को अपने से दूर कर सकते हैं. मृत्यु को नहीं। अंततः कंजूस महोदय ने कहा, 'कम से कम मुझे इतना समय तो दें. जिससे मैं उन लोगों के लिए एक संदेश लिख सकूँ, जो मेरे समान मृत्यु की ओर बढ़ रहे हैं? यमदूत ने कहा– आप ऐसा कर सकते हैं, किंतु कोई आपके संदेश को पढ़ने वाला नहीं, यहाँ तक कि अगर कोई इसे पढ़ भी ले, तो इसको समझने वाला नहीं और अगर कोई समझ भी लेता है, तो इसको जीने वाला नहीं। फिर भी, कंजूस महोदय ने अपने रक्त से यह संदेश लिखाः 'मित्रों। जीवन अनमोल है। इसका प्रत्येक पल अद्वितीय है। मैं इन तीन लाख रुपयों में इसका एक घंटा भी खरीदने में सक्षम नहीं हूँ। यही समय है. कल के लिए आज जीना स्थगित न करें, क्योंकि जीवन को स्थगित करके मैंने मृत्यु के अतिरिक्त कुछ भी नहीं प्राप्त किया है। इस संदेश को लिखे जाने के बाद से अब तक अनगिनत युग बीत चुके हैं। किंतु कोई इसे कभी नहीं पढ़ता, कोई भी इसे नहीं समझता और इसको जीने की तो बात ही छोड़ दीजिए। लोग जीवनपर्यंत, अपने–अपने कार्य क्षेत्र में व्यस्त या कहिए कि उलझे हुए रहते हैं। इस

बीच उन्हें यह सोचने का समय और विचार नहीं आता है कि अब तक हमने जीवन में क्या खोया और क्या पाया। जब वे पारिवारिक या व्यावसायिक संसार से मुक्त होते हैं और कभी शांति से बैठकर सूची बनाते हैं, तब पाते हैं कि इतनी भागदौड़ के बाद अंततः हमने सच में जीवन में बहुत कुछ पाया तो काफी कुछ खोया था। बहुत कुछ पाने की आस में जीवन बस आर्थिक जोड़–घटाव में ही फँसा रह जाता है। मनुष्य वास्तव में, माने या न माने तनिक स्वार्थी तो होता है। दूसरों की सफलता में कितने लोग सच्चे मन से प्रसन्न हो पाते हैं तथा कितने आशीर्वाद देकर बड़े बन जाते हैं? हर कोई अधिक और अधिक पाना चाहता है, पर पाएगा तो उतना ही जितना उसकी झोली में समाएगा। इस 'और–और की प्रक्रिया में हम बहुत कुछ खोते जाते हैं। वंचितों की सहायता कर उनके चेहरों पर क्षणिक दीप्ति हमें संतुष्टि से भर देती है। वृद्ध और असहाय की सेवा प्रसन्नता का अनुभव अवश्य देती है। सच्चे मन से स्वीकारें तो यही ईश्वर की अर्चना है। भारत की अवधारणा 'वसुधैव कुटुंबकम् है। ऐसे में देखें तो विश्व में कहीं भी युद्ध हो, उससे विनाश के अतिरिक्त कुछ दृष्टिगत नहीं होता। इसका परिणाम मात्र दुर्दशा. व्याधि और विलाप के रूप में सामने आता है। आम आदमी यह समझ ही नहीं पाता कि ऐसी विभीषिका में किसने क्या खोया, क्या पाया? दूर क्यों जाएँ? आज विश्व में कुछ लोगों के वीभत्स कृत्य ने समाज को आक्रोश, घृणा, विलाप और लाचारी से घेर लिया है, इसे खोकर, किसने क्या पाया। वहीं कोई बिना संघर्ष सब कुछ पा जाता है और कोई समझौते करने में ही कितना कुछ खोता जाता है। तुलसीदास जी ने बहुत पहले ही लिख दिया कि 'जाके प्रभु दारुन दुःख दैही. ताकी मति पहले हर लेही, अर्थात् परमपिता परमेश्वर जब आपको दुःख देना चाहता है तो चेतनाहीन कर देता है। अतः सच्चिदानंद भगवान की कृपा के लिये सदैव प्रयासरत रहना चाहिए और स्वयं के भीतर चेतना को जागृत करने का नियमित अभ्यास करते रहना चाहिए। सदैव कुछ रुक कर, ठहर कर अपने भूतकाल का अवलोकन करके वर्तमान परिस्थितियों पर उसके प्रभाव का विश्लेषण करना होगा, क्योंकि आपका वर्तमान आपके भूतकात में किये प्रयासों का परिणाम है और आपका भविष्य भी वर्तमान के लिये जाने वाले कार्यों पर ही आधारित है। अतः सदैव अत्यधिक "माया–मोह का त्याग कर अपने जीवन को आनंद से सराबोर कीजिए, वह आपके जन्म से मृत्यु के बीच आपके जीवन में आपका सहयात्री है।

जय गुरु देव, जय महर्षि जी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विश्व शांति का संदेश देता है : ब्रह्मचारी गिरीश जी

महर्षि संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया

भारत के महान सपूत एवं विश्व के महानतम चेतना वैज्ञानिक परम पूज्य महर्षि महेश योगी ने भारतीय वैदिक वांग्मय के एक क्षेत्र 'योग' को सरल वैज्ञानिक भाषा में विश्व के समस्त नागरिकों के सक्षम प्रस्तुत करते हुये सम्पूर्ण विश्व को उससे परिचित करया। इसी कारणवश जब भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सयुंक्त राष्ट्र संघ में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा तब समस्त देशों ने सर्व सम्मति से इसे अनुमोदित किया।

महर्षि संस्थान में दिनांक 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि संस्थान की परंपरा अनुसार गुरु परंपरा पूजन एवं शांति पाठ के साथ हुआ जिसे 5 वैदिक पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के द्वारा पूर्ण कराया।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि "वैदिक ज्ञान के 40 क्षेत्र में से एक क्षेत्र योग को अभी तक अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली है, अभी 39 क्षेत्र और भी हैं। इन्हें भी मान्यता मिलनी चाहिए"।

ब्रह्मचारी गिरीश जी का कथन था कि "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें विश्व शांति का संदेश देता है। वैदिक ज्ञान के पास निवारक और रोकथाम की विद्या है। इसलिए युद्ध ना हो यही हमारी निवारक विद्या है। शांति के मार्ग से ही शांति की स्थापना संभव है और यह केवल निवारक उपायों से संभव है"।

उन्होंने परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के एक वाक्य ''योग विद्या जीवन लक्ष्य को प्रदान करने वाला एक विशिष्ट ज्ञान है'', के माध्यम से योग के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख किया। उनका कहना था कि इन सभी योगों का प्रतिफल कर्मफल की सफलता है। जब हम योग में स्थित हो जाते हैं तो अपने आप प्रकृति के अनुरूप कार्य होने लगते हैं। हम सभी को महर्षि महेश योगी जी के आशीर्वाद से योग के संपूर्ण फल की प्राप्ति है और हम सभी लोगों को इसकी निरंतरता को बनाए रखना होगा। आज सभी लोग अपने–अपने मस्तिष्क में यह गांठ बांध लें कि प्रतिदिन योग एवं भावातीत ध्यान का अभ्यास निरंतर प्रतिदिन सुबह और शाम हम सभी को करना ही है।"

इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रो. भुवनेश शर्मा ने कहा "योग का मतलब योगासन नहीं है बल्कि आत्मा में स्थित होना योग

है। चेतना जब स्वयं जानती है तब योग होता है। उनका कहना था कि आत्मा में स्थित होकर हम सार्वभौमिक चेतना से जुड़ जाते हैं। यह अत्यंत अच्छा है कि हमारे सभी महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों में प्रतिदिन योग एवं भावातीत ध्यान का अभ्यास होता है।"

इस अवसर पर भोपाल स्थित विभिन्न महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, भावातीत ध्यान एवं योग का सामूहिक अभ्यास किया गया। इस कार्यक्रम में मंच पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के निदेशक संचार एवं जनसंपर्क श्री विजय रत्न खरे, निदेशक लेखा श्री बी.पी. तिवारी, अपर निदेशक, निर्माण श्री अखिलेश श्रीवास्तव, अपर निदेशक वित्त श्री एम. के. सिंघल, महर्षि विश्व शांति आंदोलन की राष्ट्रीय संचार सचिव श्रीमती आर्या नंदकुमार, सेंटर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस, लांबाखेड़ा भोपाल की प्राचार्या श्रीमती रेखा निमकर एवं महर्षि किड्स होम भोपाल की प्राचार्या श्रीमती अंजलि सिंह कुशवाह उपस्थित थीं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह कार्यक्रम महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह एवं महर्षि विश्व शांति आंदोलन द्वारा संयुक्त रूप से नर्मदा पुरम मार्ग स्थित महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय रतनपुर के परिसर में स्थित महर्षि मंगलम भवन में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों को प्रसाद का वितरण किया गया।

Brahmachari Girish Ji Inspires Teachers to have Vision for Total Knowledge

With the divine blessings of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, training of teachers in Maharishi Consciousness Based Education - Course -I and In-House CBSE teachers trainings were conducted at Maharishi Vidya Mandir, Bareilly in Uttar Pradesh and Haridwar in Uttarakhand. These were organised by Maharishi Vidya Mandir Group of Schools in collaboration with the Maharishi Vedic Administrators Training Institute.

On this occasion, Hon'ble Chairman, MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji said that the goal of the programme is to help educators to understand the principles of Maharishi Consciousness Based Education (MCBE) and also the general concepts of joyful learning and better class room environment. This understanding will help every teacher and student develop their Total Knowledge and improve society through better education.

He reminded the teachers of their important role as guardians of Total Knowledge. He inspired them to spread positivity and enlightenment through their teachings.

Brahmachari Girish Ji stressed the impact they have on future generations. He said, "You are all very fortunate because you can share Maharishi Ji's knowledge with children." He pointed out that dedicating about 20 years on an average by

each teacher to education to change the lives of at least 800 children, emphasizes the responsibility of teacher in shaping capable and knowledgeable individuals".

Brahmachari Girish Ji also said that today is Vat Savitri Vrat. He explained that the growth of a Banyan tree relies on its hidden roots, which are crucial for its strength. Referring to the Maharishi School's emblem, he stated, "Knowledge is structured in Consciousness," He explained that without knowledge rooted in consciousness, actions can not be powerful. Therefore, he encouraged teachers to awaken children's consciousness and inspire them to be leaders in the world.

Shri R L Singh Principal MVM Bareilly, Shri Rajeev Tyagi Principal MVM Haridwar and Smt Rita Pande, Regional Course Coordinator MCBE were also present.

Brahmachari Girish Ji attended 90th Birth Anniversary Celebration of Padmabhushan Pundit Debu Chaudhury Ji

Brahmachari Girish Ji graced 90th Birth Anniversary Celebration of his Sitar Guru, world renowned Sitar Maestro Padmabhushan Pundit Debu Chaudhury Ji. Students of UMAK centre founded by Debu Ji performed Poojan which was followed by Sitar recital by Master Adhiraj Chaudhury, grandson of Debu Ji, 10th generation musician of Shri Senia Gharana. He was accompanied by Pundit Anup Ghosh, A grade artist of Doordarshan, on Tabla. On this occasion Brahmachari Ji remembered teachings, kindness and blessings of Debu Dada and expressed his gratitude to him.

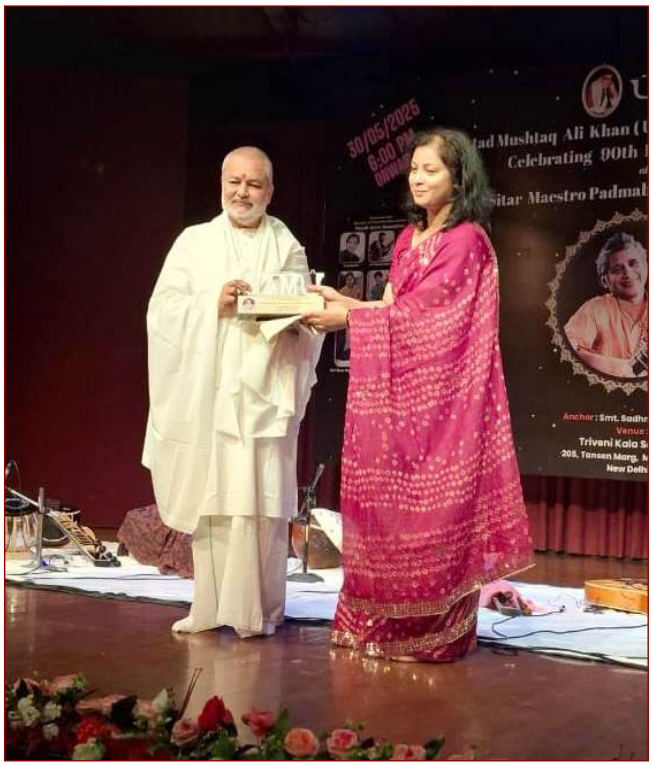

महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान द्वारा विभिन्न स्थानों पर आध्यात्मिक आयोजन

महर्षि संस्थान के तत्वाधान में महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान द्वारा विश्व शांति की स्थापना और विश्व परिवार के सर्व कल्याण हेतु सामूहिक अध्यात्मिक आयोजन देश के विभिन्न स्थानों मे भव्य रूप से आयोजित किये गए जिसमें भोपाल में श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ, महर्षि वेद विज्ञान विश्वविद्यापीठम् मंगेली जबलपुर में सुंदरकांड पाठ, महर्षि विद्या मंदिर नेपियर टाउन जबलपुर में प्रतिदिन श्री हनुमान चालीसा का पाठ एवं महर्षि विद्या मंदिर नैनी प्रयागराज में श्रीमद् भगवद् गीता कथा का वाचन किया गया। इसके साथ ही साथ सभी आयोजनों में श्री गणेश स्तुति, महिषासुर मर्दिनी स्तोत्र सहित अन्य स्तोत्रों का पाठ एवं भजन गायन संपन्न किए गये।

इस प्रकार संपन्न हुए इन कार्यक्रमों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पाठ कर सुखद आनंद की अनुभूति प्राप्त की। उन्होंने अपने लयबद्ध स्वरों से चौपाइयों का पाठ कर सभी को भाव विभोर कर दिया।

इस अवसर पर उपस्थित प्राचार्यगणों ने कहा कि ''महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण आंदोलन केवल संगठन नही, यह जनजागरण अभियान है। यह एक ऐसा आध्यात्मिक जनजागरण आंदोलन है जो व्यक्ति के आत्म विश्वास के विकास से राष्ट्र की पुनर्रचना तक की दिव्य यात्रा है। यह आंदोलन व्यक्ति के भीतर चेतना की लौ जलाकर समाज और राष्ट्र को आलोकित करने का सत्प्रयास करता है।''

इन अवसरों पर प्रबुद्धजनों ने महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ''पहली बार कोई संस्था आध्यात्मिक जागरण के लिए प्रयास कर रही है। जागरण सामान्य हो सकता है लेकिन आध्यात्मिक जागरण सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। हमारे अंदर की जो आत्मा है वह विभिन्न वासनाओं से ग्रसित है। इसको शुद्ध और सात्विक करने की आवश्यकता है। इसलिए आत्मा को शुद्ध और परिष्कृत करने का प्रयास ही आध्यात्मिक जागरण है।''

इस अवसर पर महर्षि आध्यात्मिक जागरण अभियान के बारे में जानकारी देते हुए भावातीत ध्यान शिक्षकों ने उपस्थित जन समूह को बताया कि ''आध्यात्मिक जन जागरण अभियान का उद्देश्य लोगों में हिंदू पूजा पद्ध ति के शुद्ध उच्चारण को प्रचारित एवं प्रसारित करने के साथ–साथ महर्षि महेश योगी द्वारा प्रणीत भावातीत ध्यान के लाभों से पूरे विश्व को अवगत कराना है ताकि समस्त जन इसका लाभ उठा सकें। आज विश्व में सभी लोग प्रसन्न नहीं हैं, आनंद में नहीं हैं, इसलिए उन सभी को परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रणीत भावातीत ध्यान करना चाहिए जिससे लोग आनंद की अनुभूति कर सकें। साथ ही भारतीय पूजा पद्ध ति को शुद्ध उच्चारण से संपादित करने से प्रकृति भी आपकी समस्त प्रकार से सहायता करती है जिससे आपके सभी कार्य सफल होते हैं।''

इन कार्यक्रमों में महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान की ओर से प्राचार्य गण, भावातीत ध्यान शिक्षक गण एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

Mangeli, Jabalpur

MVM-II Jabalpur

MVM-I Naini, Prayagraj

Bhopal

MVM Shahdol

MVM Shahdol

Brahmachari Girish Ji Greeted Hon'ble MP Rajya Sabha

Brahmachari Girish met and greeted Dr. Sudhanshu Trivedi, Member of Rajya Sabha and national spokeperson of BJP. Shri Ved Prakash Sharma, Dr. Shrikant Agasty and Shri Ramdev Dubey accompanied Brahmachari ji. They presented Maharishi Vidya Mandir Schools Group annual magazine 'Gyan' 2025 and other literature of the organisation to Dr. Trivedi.

International Yog Day Celebration at Various Maharishi Vidya Mandir Schools

International Yog Day is observed every year on June 21 to raise awareness about this ancient Indian practice. On 21st June 2025, 11th International Yog Day was celebrated in various Maharishi Vidya Mandir Schools in the country.

On this occasion the events began with the traditional Guru Puja and felicitation of the chief guests. A mass Yog demonstration was conducted by students, aligning with this year's theme- "Yog for one Earth, one Health."

The Principals of the schools delivered the welcome speeches followed by group Yog performance by the students and teachers. The guests encouraged the teachers and students present in the event. A pledge to regularly practice Yog, Pranayama and Transcendental Meditation, was taken by everyone present in the programme. These celebrations promoted awareness about Yog's benefits, fostering community feelings and well-being among peoples. The programmes were concluded with the vote of thanks.

The International Yog Day celebration at various MVM Schools is depicted through the following picture gallery –

Maharishi Vidya Mandir - I, Guwahati

Maharishi Vidya Mandir - I, Guwahati

Maharishi Vidya Mandir - III Guwahati

Maharishi Vidya Mandir - III Guwahati

Maharishi Vidya Mandir - I, Gorakhpur

Maharishi Vidya Mandir - I, Gorakhpur

Maharishi Vidya Mandir, Gurugram

Maharishi Vidya Mandir - II, Aligarh

Maharishi Vidya Mandir - II, Almora

Maharishi Vidya Mandir - II, Almora

Maharishi Vidya Mandir, Amarpatan

Maharishi Vidya Mandir, Basti

Maharishi Vidya Mandir - II, Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir, Durg

Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur

Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur

Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad

Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad

Maharishi Vidya Mandir- II, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir- II, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - III, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - IV, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - I, Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir - I, Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir - VI, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - VI, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir, Jammu

Maharishi Vidya Mandir, Jammu

Maharishi Vidya Mandir, Karimganj

Maharishi Vidya Mandir, Karimganj

Maharishi Vidya Mandir, Khargone

Maharishi Vidya Mandir, Khargone

Maharishi Vidya Mandir - III, Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir - V, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir, Mankapur

Maharishi Vidya Mandir, Jind

Maharishi Vidya Mandir, Gonda

Maharishi Vidya Mandir, Jhunsi, Prayagraj

Maharishi Vidya Mandir - I, Pithoragarh

Maharishi Vidya Mandir - I, Pithoragarh

Maharishi Vidya Mandir, Ratanpur, Bhopal

Maharishi Vidya Mandir, Ratanpur, Bhopal

Maharishi Vidya Mandir, Rayagada

Maharishi Vidya Mandir, Silchar

Maharishi Vidya Mandir, Panna

Maharishi Vidya Mandir - II, Naini, Prayagraj

Maharishi School of Excellence, Chennai

Maharishi School of Excellence, Chennai

Maharishi Vidya Mandir, Thanjavur

Maharishi Vidya Mandir, Thanjavur

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Maharishi Vidya Mandir, Tumsar

Maharishi Vidya Mandir, Tumsar

Maharishi Kids Home, Ayodhya Nagar, Bhopal

Maharishi Kids Home, Ayodhya Nagar, Bhopal

Maharishi Kids Home, Ayodhya Nagar, Bhopal

Maharishi Kids Home, Ayodhya Nagar, Bhopal

Maharishi Kids Home, Jorhat, Assam

Maharishi Kids Home, Jorhat, Assam

Events, Celebrations and Co-curricular activities of Maharishi Vidya Mandir Schools

MVM Chikmanglore

महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय, चिकमगलूर, कर्नाटक में दिनांक 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में 25 औषधीय पौधों का रोपण वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. सुन्दर गौड़ा, दन्त चिकित्सक, गणपति औषधालय, चिकमगलूर की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुन्दर गौड़ा द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण की रक्षा हेतु जाग्रत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री विजय कुमार नायडू द्वारा विद्यार्थियों को माननीय प्रधानमंत्री जी की अभूतपूर्व योजना "एक पेड़ माँ के नाम" के बारे में बतलाया गया। उक्त योजना को क्रियान्वनित करने हेतु प्रत्येक विद्यार्थी को अपने घर के पास, किसी उद्यान या विद्यालय में आगामी 10 दिनों में एक पेड़ अपनी माँ के नाम लगाने हेतु प्रेरित किया गया।

MVM Hisar

Events conducted in Maharishi Vidya Mandir, Hisar

Baisakhi celebration

Rabindranath Tagore Jayanti

A trip organised to aware students newspaper editing and publishing process

MCEE Bhopal

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में दिनाँक 5 जून 2025 को विद्यालय महर्षि सेन्टर फॉर एज्युकेशनल एक्सिलेंस के परिसर में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रेखा निमकर, बैंक ऑफ बड़ोदा के महाप्रबंधक एवं लाम्बाखेड़ा शाखा के शाखा प्रबंधक व अन्य बैक कर्मचारियों, महर्षि विद्या मंदिर समूह के अपर निदेशक वित्त श्री मनीष सिन्हा एवं श्री एन. के. सिंगल के साथ शिक्षकगणों व कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए जिनमें नीबू, अनार, अमरूद, पपीता, सीताफल व एक्जोरा के पौधे सम्मिलित हैं। अतिथियों ने सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया एवं लगाये गये पौधों की रक्षा हेतु प्रेरित किया।

MVM Jammu

Students who qualified in JEE Advanced examination 2025.

Tanmay Saraf
AIR Rank – 7918

Atindra Kundu
AIR Rank – 19740

Lakshit Choudhary
AIR Rank – 20855

MVM Khargone

महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा एवं सीबीएसई द्वारा निर्धारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

महर्षि विद्या मंदिर, खरगोन विद्यालय में 1 जून 2025 से "महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा" पद्धति एवं सीबीएसई द्वारा निर्धारित शिक्षक प्रशिक्षण के 9 दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आयोजन का शुभारंभ महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रेणू राय एवं मुख्य अतिथि पद्म श्री जगदीश जोशीला, साहित्यकार एवं विशिष्ट अतिथि श्री शैलेन्द्र कानूड़े, जिला शिक्षा अधिकारी खरगोन ने दीप प्रज्जवलन एवं गुरु पूजन के साथ किया।

इस अवसर पर महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा पाठयक्रम–1 की समन्वयक एवं प्राचार्या श्रीमती रेणू राय ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि "महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जो मानव चेतना को शिक्षा के केंद्र में रखकर ज्ञान और विकास को बढ़ावा देती है। चेतना पर आधारित शिक्षा के अंतर्गत भावातीत ध्यान के नियमित अभ्यास को हम अपनी शिक्षा पद्धति में सम्मिलित करके छात्रों का सर्वांगीण विकास करते हैं।'' मुख्य अतिथि पद्म श्री जगदीश जोशीला जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि निमाड़ी भाषा के प्रचार प्रसार में महर्षि जी के द्वारा प्रतिपादित महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा का विशेष योगदान है। तत्पश्चात श्री शैलेन्द्र कानोड़े जी ने कहा कि महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा के माध्यम से हम विद्यार्थियों को तनाव मुक्त शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। इसके साथ ही श्रीमती आर्या नन्द कुमार, संयुक्त निदेशक महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह एवं श्री आर. एस. पटवारी, राष्ट्रीय समन्वयक, एम.सी.बी. ई ने प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महर्षि विद्या मंदिर खंडवा, इन्दौर–1, इन्दौर–2, शाजापुर एवं खरगोन के शिक्षकगण सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रणय कुमार गौतम ने किया।

MVM Khargone organised grand ceremony on the day of school's reopen and new session

MVM - 1 Chhatarpur

विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में साइकिल रैली का आयोजन

विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में महर्षि विद्या मंदिर, देरी रोड, छतरपुर द्वारा भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइकिलिंग के महत्व को अपने आचरण द्वारा प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री सी. के. शर्मा द्व ारा पहले ही 'साइकिल ऑन संडे' और 'साइकिल ऑन हॉलीडे' जैसी सराहनीय पहल की शुरुआत की जा चुकी है, जिसके अंतर्गत विद्यालय के शिक्षक सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल का उपयोग करते हैं। इस पहल का उद्देश्य न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को सुधारना है, बल्कि छात्रों और समाज को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने का संदेश देना भी है।

'नीट' परीक्षा परिणाम में महर्षि विद्या मंदिर देरी रोड के विद्यार्थियों की सफलता

इस वर्ष विद्यालय में नियमित अध्ययन करते हुए महर्षि विद्या मंदिर, देरी रोड, छतरपुर के 10 विद्यार्थियों ने देश में कक्षा 12 वीं के बाद होने वाली परीक्षा 'नीट' में सफलता प्राप्त की।

वरिष्ठ अध्यापक श्री पंकज जैन द्वारा बताया गया कि विगत 5 वर्षों से अधिक समय से विद्यालय के 10 से 15 विद्यार्थियों का नीट परीक्षा में नियमित चयन हो रहा है और इसी क्रम की तारतम्यता को बनाये रखते हुए इस वर्ष भी अभिराज पटेल, रचिता गुप्ता, अथर्व अग्रवाल, प्रभात पटेल, पलक गुप्ता, अनामिका पाठक, अनुपम मिश्रा, वैष्णवी बरसाईयां, अभय गुप्ता एवं आदित्य अग्निहोत्री ने नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त कर न केवल विद्यालय एवं परिवार के नाम की ख्याति सब ओर फैलाई बल्कि साथ ही साथ शहर के मान एवं गौरव को भी बढ़ाया।

विद्यालय प्राचार्य सीके शर्मा द्वारा विद्यार्थियों की इस सफलता पर छात्रों को एवं उनके परिजनों को वधाई देते हुए कहा कि इस सफलता का श्रेय विद्यालय द्वारा महर्षि जी द्वारा प्रणीत भावातीत ध्यान के प्रातः संध्या नियमित अभ्यास के साथ–साथ शिक्षा के क्षेत्र में अपनायी जाने वाली शिक्षण पद्धति एवं उनके परिवार द्वारा विद्यालय को किये गए सहयोग को भी जाता है।

MVM - 1 Bilaspur

Students of Maharishi Vidya Mandir Ashmit Kumar and Deependra Kumar Vastrakar qualified in JEE Advanced 2025 examination with all India rank 4584 and 6296 respectively.

Ashmit Kumar

Deependra

MVM Shahdol

Two students of Maharishi Vidya Mandir Shahdol Kuldeep Bargahi and Yogendra Kushwaha have successfully qualified JEE Advanced and secured admission in prestigious Indian Institutes of Technology (IITs). The entire MVM family congratulates them on this significant milestone and extends best wishes for their bright and successful future.

Kuldeep Bargahi

Yogendra Kushwaha

महर्षि विद्या मंदिर, शहडोल के कक्षा 9 के छात्र मृत्युंजय सराफ ने इंटरनेशनल फिडे रेटेड चेस टूर्नामेंट, ग्वालियर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के पश्चात दिनांक 1 जून 2025 को फिडे द्वारा जारी अंतरराष्ट्रीय वरीयता सूची में मृत्युंजय सराफ का नाम 1411 रेटिंग के साथ रेटेड प्लेयर के रूप में सम्मिलित किया गया, जो पूरे शहडोल जिले के लिए गौरव की बात है। शहडोल जिला एवं महर्षि विद्यालय परिवार मृत्युंजय सराफ के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है।

नौ दिवसीय महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा पद्धति एवं सीबीएसई द्वारा निर्देशित इन–हाउस शिक्षक प्रशिक्षण के नौ दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि विद्या मंदिर शहडोल में हुआ। आयोजन का शुभारंभ केन्द्रीय विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती प्रीति मिश्रा एवं महर्षि विद्या मंदिर की प्राचार्य डॉ. भावना तिवारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं गुरू पूजन के साथ किया गया। प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष डॉ. ब्रम्हचारी गिरीश द्वारा ऑनलाइन वीडियो काल के माध्यम से चेतना पर आधारित शिक्षा को बहुत सरल बताया एवं बताया कि ''हम खाली नौकरी करने वाले ही नहीं बनाना चाहते। हम चाहते हैं कि हमारे शिक्षक ओजवान एवं तेजवान हों, ऐसा बनाना चाहते हैं जिससे वह अपने जीवन में जो चाहें सो पा सकें। हम मन व बुद्धि से जोडक़र अपने आप को मजबूत कर सकते हैं। इसी तरह जिस विषय को पढ़ाते हैं उसे चेतना से जोड़ देने से वह विषय मजबूत हो जाता है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक एवं व्यक्ति को 15 से 20 मिनट का भावातीत ध्यान अवश्य करना चाहिए। आप भावातीत ध्यान के माध्यम से चेतना पर आधारित शिक्षा देकर बच्चों को चेतनावान बना सकते हैं किन्तु इसके लिए पहले अपने आप को बनाना होगा। यह बहुत सरल है।'' सभी शिक्षकों द्वारा भावातीत ध्यान का नियमित अभ्यास करते हुए प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक पूर्ण किया गया।

MVM - II Jabalpur

Maharani Laxmi Bai Balidan Diwas

Maharani Laxmi Bai Balidan Diwas was observed on 18 June 2025 in Maharishi Vidya Mandir, Napier Town, Jabalpur. On this occasion, poetry recitation competition was held for the students of the school. In this competition, Aakash Kumar, class IX secured the first position, Anwesha Khobragade the second, and Kanishka Sarathe the third.

On this occasion, the Chairperson of Triveni Parishad, Smt. Chandraprakash Vaishya shared her thoughts, stating that the program held today on Maharani Lakshmi Bai's Martyrdom Day reminds us of her heroic saga and inspires us to awaken in the coming generations, the spirit of bravery she embodied.

The school Principal Shri Nilesh Kumar Pandey expressing his views, said that " the poems presented by the students today signify that even now, the bravery of Maharani Lakshmi Bai is remembered and honoured by our younger generations. They are learning from her deeds, which symbolize patriotism".

The program was compered by school teacher Dr. Alpana Shrivastava, and the vote of thanks was delivered by Smt. Hemlata Pathak. Teacher Smt. Laxmi Khatri played a significant role in ensuring the success of the event.

Gyanamrit Satsang

On 19th June 2025, Gyanamrit Satsang by Vaidhraj Shri Madhusudan Deshpandey Ji was attended online on Ramraj TV by 205 students from class IV to XI and 20 teachers of Maharishi Vidya Mandir, Napier Town, Jabalpur.

MVM Fatehpur

आदर्श व्यापार मंडल द्वारा महर्षि विद्या मन्दिर, फतेहपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मनित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार की महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग की माननीय राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला ने माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय, फतेहपुर के प्राचार्य श्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि श्रीमती प्रतिभा शुक्ला ने कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च 97.87 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले मैत्रेय सिंह एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले सक्षम पाण्डेय व महिमा गुप्ता के अतिरिक्त 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों आयुष्मान सिंह, कुमार विनीत, अक्षिता शुक्ला, सुयश पाण्डेय, विदुषी शाम्भवी, अखण्ड मृदल, साक्षी सचान, संस्कृति गुप्ता, हुने इस्मा, साहिल यादव पार्थ रंजन, दिव्येन्द्र दीवा मिश्रा, पुष्पराज, दक्षा लाल, अनिकेत सिंह, अनुराग, अनवेशा, कनक, शाश्वत, अक्षय, अथर्व आर्यन, सार्थक पटेल, अवनी पटेल, जीविका, अविरल, दिव्या आदि को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। शिक्षक बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार देकर उन्हें आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं। महर्षि विद्या मन्दिर इस दिशा में अच्छा कार्य कर रहा है। माननीय राज्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने व बेहतर परीक्षा परिणाम देने के लिए विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी को प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया। समापन अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप गर्ग ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ऑल इंडिया नीट परीक्षा में चमके महर्षि विद्या मन्दिर, फतेहपुर के सितारे

महर्षि विद्या मन्दिर, फतेहपुर के नौ छात्र–छात्राओं ने ऑल इंडिया नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर जनपद में विद्यालय की ख्याति बढ़ाई। इनमें मुस्कान अग्निहोत्री 530 अंक, दिव्या 480 अंक, राहुल कुमार गुप्ता ने 557 अंक, निखिल अग्रहरी ने 771 अंक, आयुष गुप्ता ने 752 अंक, रिद्धी त्रिवेदी ने 450 अंक, युवराज शुक्ला ने 494 अंक, युसरा जब्बार ने 485 अंक एवं नवल अग्निहोत्री ने 515 अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की है। मेधावी विद्यार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने शुभकामना देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में अपना स्थान बनाना बड़ी बात है। यह सफलता बच्चों की कड़ी मेहनत अभिभावकों एवं शिक्षकों के सतत् मार्गदर्शन से प्राप्त हुई है।

मुस्कान

दिव्या

राहुल कुमार गुप्ता

निखिल अग्रहरी

आयुष गुप्ता

रिद्धी त्रिवेदी

युवराज शुक्ला

युसरा जब्बार

नवल अग्निहोत्री

MVM - V Jabalpur

महर्षि विद्या मंदिर, विजय नगर जबलपुर में 6 से 14 जून 2025 तक ''महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा'' एवं सीबीएसई द्वारा निर्देशित इन–हाउस शिक्षक प्रशिक्षण का 9 दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री नीरज सिंह, माननीय विधायक, बरगी, जबलपुर, के कर कमलों द्वारा हुआ।

कार्यक्रम का आरंभ वैदिक गुरु परंपरा पूजन एवं भावातीत ध्यान के साथ हुआ। कार्यक्रम में महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रो. भुवनेश शर्मा जी व महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा के राष्ट्रीय समन्वयक श्री आर.एस. पटवारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समन्वयक अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। शिक्षकों ने अपने प्रशिक्षण कार्य का अनुभव व क्रियाकलापों के माध्यम से प्राप्त प्रशिक्षण की प्रस्तुति दी जिसमें विभिन्न महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों के 48 से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओं की सक्रिय भागीदारी रही। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती स्नेह चतुर्वेदी व एम.सी.बी.ई. क्षेत्रीय समन्वयक श्रीमती श्रुति ओहले, श्रीमती शम्पा दत्ता के मार्गदर्शन में संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

महर्षि विद्या मंदिर समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अपने ऑनलाइन उद्‌बोधन में कहा कि ''हमारा दायित्व है कि हमें भावातीत ध्यान का समाज में प्रचार एवं प्रसार करना चाहिए जिससे छात्रों के व्यक्तिगत और सामाजिक विकास में मदद मिलती है। महर्षि जी की चेतना पर आधारित शिक्षा को पूरे विश्व में विस्तारित करना है।'' विद्यालय प्राचार्या श्रीमती स्नेह चतुर्वेदी ने नियमित भावातीत ध्यान अभ्यास को शिक्षा पद्धति में शामिल करने छात्रों की चेतना को जगाने के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक व्यवहार व कार्यों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

MVM -III Guwahati

World Environment Day was observed with great enthusiasm at MVM-III Borsajai, Guwahati on 5th June 2025. Students from various classes prepared informative and creative display boards highlighting this year's theme and different ways to combat plastic pollution. Drawing and painting activities were organised for tiny lots to promote awareness about environmental conservation. The celebration concluded with plantation of saplings inside the school premises by Principal, Dr. Amlan Kumar Dey, along with teachers, reinforcing our commitment towards a greener and cleaner planet.

MVM Sultanpur

नौ दिवसीय महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

महर्षि विद्या मंदिर सुल्तानपुर में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ दिनाँक 20 जून 2025 को मुख्य अतिथि उप जिला विद्यालय निरीक्षक श्री जटाशंकर यादव व महर्षि विद्या मंदिर सुल्तानपुर के प्राचार्य श्री जे. एन. उपाध्याय ने संयुक्त रूप से परंपरागत गुरु पूजा व दीप प्रज्वलित कर किया। इस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भारत के विभिन्न क्षेत्रों में महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी के निर्देशन में हो रहा है। श्री जे. एन. उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा मानव लक्ष्य की पूर्ति में अत्यंत सहायक है जिससे हम वैश्विक स्तर पर शांति एवं ज्ञान को समन्वित रूप से स्थापित कर सकते हैं।''

मुख्य अतिथि उप जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर यादव ने कहा कि ''महर्षि जी द्वारा प्रतिपादित चेतना विज्ञान हमें वैश्विक पटल पर एक अलग स्थान देने में समर्थ है। शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे लक्ष्य को सुलभ तरीके से पाया जा सकता है। इस संदर्भ में महर्षि द्वारा प्रतिपादित शिक्षा एक अलग आयाम प्रदान करती है। आधुनिक भारत के निर्माण में भारत को वैदिक शिक्षा और वैदिक संस्कृति ही सशक्त कर रही हैं।'' महर्षि विद्या मंदिर सुल्तानपुर के ध्यान एवं सिद्धी प्रशासक श्री शैलेंद्र पाण्डेय ने बताया कि भावातीत ध्यान का नियमित अभ्यास करने से स्वास्थ्य लाभ, मानसिक विकास, सद्व्यवहार और शांति प्राप्त होती है।

महर्षि विद्या मंदिर सीतापुर के शिक्षक व महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा पाठयक्रम के उप संयोजक श्री संजीव तिवारी ने महर्षि द्वारा प्रतिपादित चेतना विज्ञान के 16 सिद्धांतों के आधार पर कहा कि सभी शिक्षक सर्वप्रथम शिक्षार्थी हैं और जब वे शिक्षार्थी होते हैं तो उन्हें सीखने के सुंदर अवसर मिलते हैं।

MVM - IV Guwahati

Smt. Panchali Roy Principal MVM-IV Guwahati has been awarded "Outstanding Educator Award" in a recently held "Education Eminence 2025" in Taj Vivanta, Guwahati, organised by News 18 Assam, North East in association with Lions International & Lions Club of Guwahati. She was selected for her contribution in the sphere of education and child development specially the innovative, ethical and spiritual way of teaching-learning process.

MVM Kalindipuram

महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

महर्षि विद्या मंदिर कालिंदीपुरम, प्रयागराज में महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा के संदर्भ में सात दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम वैदिक गुरु परंपरा पूजा के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एयर फोर्स विंग कमांडर श्री उपेंद्र ठाकुर का विद्यालय के प्राचार्य श्री नितिन प्रधान ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। श्रीमती पूजा चंदोला एवं सहायक पाठयक्रम निदेशक श्री विजय मिश्रा ने प्रशिक्षण के विभिन्न बिंदुओं को डीवीडी और व्याख्यान के माध्यम से शिक्षकों के सामने स्पष्ट किया। भावातीत ध्यान परिचय विषय पर श्रीमती कंचन तिवारी ने व्याख्यान दिया। अंत में महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा कोर्स–1 विषय से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन श्रीमती रश्मि सक्सेना के निर्देशन में हुआ।

MVM Basti

Events conducted in Maharishi Vidya Mandir, Hisar

World Environment day Plantation programme

Annual report card distribution

Glory of Alumni of MVM Schools

From MVM - I Guwahati

It is a matter of great pride that Shri Abhigyan Khaund has successfully cleared Indian Forest Service Examination 2024 conducted by UPSC. His all India rank is 48 out of total 143 selected candidates.

He is alumani of MVM Rajgarh, Guwahati where he joined class nursery in 1998 and of MVM Silpukhuri, Guwahati where he studied from Class - KG to class 10th from 1999 to 2010. He is a bright student and passed class 10th in the year 2010 with 10.0 CGPA. Taking part in quiz competitions and getting success in them is his other significant achievement. In 2008 in National Level Bharat Ko Jano Quiz competition in Junior category conducted by Bharat Vikas Parishad, held in Ludhiana (Punjab), he achieved 1st position when he was Class VIII student. Also in 2008 his team obtained 2nd position in Quiz Competition during Maharishi National Cultural Celebration, held in Bhopal (Madhya Pradesh) when he was in Class IX. His team secured 3rd place in National Semi-finals of CBSE Heritage India Quiz , held in Delhi in 2009 when he was in Class IX.

Brief academic and professional background

Graduated with B. Tech. in Biotechnology from IIT Guwahati in 2017, he worked as Associate in the Data Sciences Division, Cognizant Technology Solutions, Gurgaon.

Present Status

He secured 10th Rank in Combined Competitive Examination (CCE) conducted by Assam Public Service Commission (APSC) in 2020. After working as Assistant Commissioner and Executive Magistrate, Barpeta, currently he is working as Special Officer to the Hon'ble Governor of Assam. His contact No. is 6001805160 and email is akhaund007@gmail.com.

From MVM Basti

महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय बस्ती में विद्यालय के दो पूर्व छात्रों डॉक्टर हिमांशु मिश्रा एवं इंजिनियर अक्षत श्रीवास्तव को आमंत्रित किया गया। डॉक्टर हिमांशु मिश्रा इस समय लखनऊ के प्रतिष्ठित संजय गाँधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट में डीएम नेफ्रॉलोजिस्ट के पद पर कार्यरत हैं और इंजीनियर अक्षत श्रीवास्तव इस समय भारत की प्रतिष्ठित कंपनी में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। इन दोनों ने महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय बस्ती का गौरव बढ़ाया है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा दोनों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डॉक्टर हिमांशु मिश्रा के पिता डॉक्टर मदन मोहन मिश्रा जी को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

From MVM Fatehpur

महर्षि विद्या मंदिर, फतेहपुर के सिद्धार्थ चन्देल का फ्लाइंग ऑफिसर पद पर हुआ चयन

महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय फतेहपुर के पूर्व छात्र सिद्धार्थ चंदेल पुत्र श्री विक्रम सिंह चंदेल ए.एफ.सी.ए.टी. की परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर चयनित हुये हैं। यह परीक्षा फरवरी 2024 में सम्पन्न हुई जिसमें इन्होंने ऑल इंडिया रैंक 135 हासिल कर अपने शहर व स्कूल का गौरव बढ़ाया है। इन्होंने 2019–20 सत्र में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। सिद्धार्थ ने कक्षा द्वितीय से 12वीं तक की शिक्षा इसी विद्यालय से ग्रहण की है। सिद्धार्थ ने अपनी सफलता के बारे में बताया कि ''विद्यालय में सिखाये गये कड़े अनुशासन और संस्कार युक्त शिक्षा का उनकी सफलता में अप्रतिम योगदान है। इसके लिए मैं अपने विद्यालय के प्रति सदैव कृतज्ञ रहूँगा।'' विद्यालय आने पर प्रधानाचार्य श्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने सिद्धार्थ और उनके पिता को बधाई दी और छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्होंने कहा कि हमें सिद्धार्थ की सफलता पर बहुत गर्व है, यह उनकी मेहनत और हमारे विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण है। सिद्धार्थ चन्देल की यह उपलब्धि उनकी मेहनत और लगन को दर्शाती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने माल्यार्पण व मिठाई खिलाकर सिद्धार्थ चंदेल को निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

WELLNESS NEWS

Ashwagandha Essential Oil For Stress & Anxiety

Ashwagandha essential oil is a relatively lesser-known oil that is known to relieve stress and anxiety. As result, many people suffer from frequent headaches, sporadic spurts in blood pressure, chest pain, body pain, heart palpitations, attention deficiency, and sleep loss. Ashwagandha essential oil for stress and anxiety is beneficial due to its sedative and relaxing properties, which makes it a popular choice for aromatherapy.

What is Ashwagandha Essential Oil?

Ashwagandha essential oil is extracted from the medicinal herb, Ashwagandha, which is known for its natural healing powers. It is a very important herb in Ayurveda. In Sanskrit, Ashwagandha literally means 'smell of the horse' that is associated with both a unique smell and an ability to enhance strength. The Ashwagandha shrub (Withania somnifera) is a small shrub with yellow flowers that are mainly grown in India and North Africa. It is also referred to as Indian ginseng and has the same properties as that.

This oil is extracted from the roots of the shrub through a process known as steam distillation. Light-golden brown in colour, Ashwagandha oil is usually blended with another oil such as sesame oil, flaxseed oil, or white sandalwood oil as the smell of its fresh roots can be reminiscent of 'horse sweat', which may be too strong for many to withstand. You can buy the oil on t any online e-commerce platforms like Amazon or a drug store

Ashwagandha Oil for Stress & Anxiety

There's a lot of research available on Ashwagandha, but not much on Ashwagandha essential oil. However, traditionally people use it to manage their stress levels and anxiety. Anecdotal evidence suggests that this essential oil is potent and is used to reduce stress, improve sleep, boost cognitive functions, and relieve body pain. It is used in aromatherapy to calm anxiety and other nervous conditions. Anecdotal evidence also shows that the oil works as an antidepressant and helps lift the spirits.

In Ayurveda, it is known for its vata constitution, which is associated with air and space. This vata constitution balances the overall energy in the body and contributes to sound cognitive abilities and an efficient nervous system. However more scientific evidence is required to corroborate this.

The other benefits of Ashwagandha oil are:

Skincare: Ashwagandha oil is used to improve and prevent skin conditions due to its astringent, antiseptic, antibacterial, and anti-inflammatory properties. Massaging the skin with this oil may help maintain soft, supple, and youthful skin and protect against any bacterial infection. Topical usage with a carrier oil can help with that.

Boosts Immunity: Ashwagandha oil may also help boost immunity as it has potent antioxidant properties that protect against cellular damage caused by free radicals. Moreover, its antiseptic and antibacterial properties further prevent infections of any kind.

Prevents Body Pain: It is common for people with anxiety to experience aches and pains throughout their bodies. A blend of Ashwagandha oil with either one or more oils can help significantly reduce muscular and neuropathic pain.

How To Use Ashwagandha Oil?

Ashwagandha oil is mostly used in aromatherapy to calm the nerves and make you feel energized. It is used for massaging the joints and the parts of the body that are experiencing pain. You can use a few drops, diluted with a carrier oil, which can then be topically applied to reduce inflammation and pain in the case of rheumatoid arthritis, sores, and bacterial or fungal skin infections. However, ensure you do a patch test on your arm to avoid any kind of skin reaction.

NEWS CLIPPING

महर्षि विद्या मंदिर में 1000 विद्यार्थियों द्वारा किया गया योगाभ्यास

छतरपुर,21 जून,(डी एम न्यूज)। अंतराष्ट्रीय योगा दिवस के अवसर पर एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग की थीम पर महर्षि विद्या मंदिर देरी रोड में जूनियर विंग, मिडिल विंग एवं सीनियर विंग के करीब 1000 विद्यार्थियों द्वारा प्रात:काल स्वास्थ्य, सदभाव एवं आंतरिक शांति के लिए विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया गया, तो वही पोस्टर बनाकर योग से होने बाले लाभ को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए अंतराष्ट्रीय योगा दिवस पर एक वृस्त्रित सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं एवं शिक्षाको द्वारा योग का मानव जीवन मे पढ़ने बाले सकारात्मक प्रभाव के बारे में वृस्त्रित जानकारी सांझा की गयीं। विद्यालय प्राचार्य सी के शर्मा ने छात्रों को योग को अपनी दैनिक क्रियाओं का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया, उन्होंने कहा कि केवल योग के द्वारा ही हम अपने मस्तिष्क, विचारों एवं शारीरिक क्रियाओं के बीच सही समन्वय बिठा सकते है तदोपरांत हमारे द्वारा प्रत्येक दिशा में किये गए कार्य का सकारात्मक परिणाम प्राप्त होता है।

महर्षि विद्या मंदिर पन्ना में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

नव स्वदेश ■ पन्ना

21 जून 2025 को महर्षि विद्या मंदिर जनकपुर रोड पन्ना में दसवां ''अन्तर्राष्ट्रीय योगदिवस'' बड़े हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने पर प्राचार्य महर्षि विद्या मंदिर पन्ना ने जोर देते हुए कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा का बेशकीमती उपहार है। योग मस्तिष्क एवं शरीर, विचार और कर्म को एक सूत्र में जोड़ता है, एवं मानव मस्तिष्क के लिए योग जरुरी है। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक गुरु परंम्परा पूजन, सामूहिक शांतिपाठ, प्राणायाम् तथा भावातीत ध्यान कार्यक्रम के साथ किया गया जिसमें विद्यालय के समस्त विद्यार्थियो, अभिभावकों एवं समस्त विद्यालय स्टॉफ शिक्षक-शिक्षिकाओं की सहभागिता सराहनीय रही। जिसमें सभी ने योग के विभिन्न आसनों एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया। विद्यालय प्राचार्य पी.के. दीक्षित ने समस्त जनों को योग एवं महर्षि भावातीत ध्यान के बारे में बताया कि योग केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदे मंद है, और इसे प्रतिदिन किया जाए, यही कारण है कि दुनिया भर में योग को बढ़ावा देने के लिए योग दिवस मनाया जाता है। योगासन का संपूर्णअभ्यास विद्यालय के ध्यान/योग शिक्षक अरुण कुमार दीक्षित के मार्गदर्शन में किया गया। अंत में भावातीत ध्यान एवं जयगुरु देव उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

महर्षि विद्या मंदिर नेपियर टाउन में महारानी लक्ष्मी बाई का बलिदान दिवस मनाया

महर्षि विद्या मंदिर नेपियर टाउन में महारानी लक्ष्मी बाई का बलिदान दिवस मनाया गया इस अवसर पर जबलपुर की जानी-मानी संस्था त्रिवेणी परिषद की वार्षिक पत्रिका त्रिवेणी का विमोचन किया गया तथा विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा काव्य पाठ प्रतियोगिता प्रस्तुत की गई जिसमें प्रथम स्थान आकाश कुमार कक्षा नवमी, द्वितीय स्थान अन्वेशा खोबरागड़े तृतीय स्थान कनिष्का सराटे ने प्राप्त किया इस अवसर पर त्रिवेणी संस्था की अध्यक्षा श्रीमती चंद्रप्रकाश वैश्य ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर आज आयोजित कार्यक्रम हमें महारानी लक्ष्मीबाई की वीर गाथा की याद दिलाता है और यह प्रेरणा देता है कि हम आने वाली नस्लों में उनकी वीरता के जज्बे को जाग्रत करें इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री नीलेश कुमार पांडेय जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज महारानी लक्ष्मी बाई का बलिदान दिवस है और इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई कविताएं इस बात का परिचायक हैं,कि आज भी महारानी लक्ष्मीबाई की वीरता को हमारी आने वाली पीढ़ियां याद रखे हुए हैं और उनके कर्मों से सीख भी ले रही हैं जो देश भक्ति का प्रतीक है।

इस अवसर पर त्रिवेणी परिषद की सदस्य संरक्षक डॉक्टर राजलक्ष्मी शिवहरि श्रीमती प्रार्थना अर्गल एडवोकेट प्रभात श्रीमती सरला मोदी श्रीमती मीना पटेल सुशी मनीष गौतम श्रीमती रतन ओझा श्रीमती रेनू शर्मा श्रीमती बबीता शुक्ला श्रीमती हरदीप कौर डॉक्टर गीत गीत एवं डॉ मुकुल तिवारी इत्यादि की उपस्थिति सराहनीय रही। इस अवसर पर विद्यार्थियों को त्रिवेणी संस्था द्वारा प्रमाण पत्र की बांटे गए। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका डॉक्टर अल्पना श्रीवास्तव द्वारा किया गया और धन्यवाद संभाषण शिक्षिका श्रीमती हेमलता पाठक द्वारा प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती लक्ष्मी खत्री ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महर्षि विद्या मंदिर में 10 छात्रों ने नीट परीक्षा में मारी बाजी

छतरपुर भ्रमण न्यूज। छतरपुर। 12वी पास विद्यार्थियों की बहुप्रतीक्षित मेडिकल परीक्षा नीट का परीक्षा परिणाम घोषित होते ही महर्षि विद्या मंदिर देरी रोड के विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गयी। इस वर्ष विद्यालय में नियमित अध्ययन करते हुए 10 विद्यार्थियों ने देश में 12 वीं के बाद होने बाली सबसे बड़ी परीक्षा नीट में सफलता प्राप्त की।

पंकज जैन द्वारा बताया गया कि विगत 5 वर्षो से अधिक समय से विद्यालय के 10 से 15 विद्यार्थियों का नीट परीक्षा में नियमित चयन हो रहा है और इसी क्रम को बरकरार रखते हुए इस वर्ष भी अभिराज पटेल, रचिता गुप्ता, अथर्व अग्रवाल, प्रभात पटेल, पलक गुप्ता, अनामिका पाठक, अनुपम मिश्रा, वैष्णवी बरसाईयाँ, अभय गुप्ता ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर न केवल विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन किया वल्कि शहर के मान एवं गौरव को भी बढ़ाया। विद्यालय प्राचार्य सी के शर्मा द्वारा विद्यार्थियों की इस सफलता पर छात्रों को एवं उनके परिजनों को वधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अपनायी जाने बाली शिक्षण पद्धति के साथ साथ उनके परिवार द्वारा विद्यालय को किये गए सपोर्ट को भी जाता है। उन्होंने कहा आगामी वर्ष में हमारा लक्ष्य कम से कम 20 विद्यार्थियों को नीट में क्वालीफाई कराने का रहेगा।

ऑल इंडिया नीट परीक्षा में चमके महर्षि के सितारे

यूथ इण्डिया संवाददाता

फतेहपुर। शहर के महर्षि विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल के नौ छात्र/छात्राओं ने ऑल इंडिया नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर जनपद में विद्यालय का नाम रोशन किया है। इनमें मुस्कान अग्निहोत्री 530 अंक दिव्या 480 अंक राहुल कुमार गुप्ता 557 अंक, निखिल अग्रहरी 771 अंक, आयुष गुप्ता 752 अंक रिद्धी त्रिवेदी 450 अंक युवराज शुक्ला 494 अंक, युसरा जब्बार 485 अंक एवं नवल अग्निहोत्री ने 515 अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित किया है। मेधावी बच्चों ने इस परीक्षा में सफलता हासिल कर विद्यालय सहित जिले का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी जी ने कहा कि जीवन में सदैव अवसर आते रहते हैं। योजनाबद्ध तरीके से तैयारी कर बड़ी से बड़ी परीक्षा में भी कामयाबी हासिल की जा सकती है। उन्होनें अपनी शुभकामना देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में अपना स्थान बनाना बड़ी बात है। यह सफलता बच्चों की कड़ी मेहनत अभिभावकों एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन से प्राप्त हुयी।

महर्षि स्कूल के दो पुरातन छात्र सम्मानित

बस्ती (बस्ती कार्यालय)।

महर्षि विद्या मन्दिर बस्ती के प्रांगण में विद्यालय दो पूर्व छात्र डॉक्टर हिमांशु मिश्रा एवं इंजिनियर अक्षत श्रीवास्तव को सादर आमंत्रित किया गया इसमें डॉक्टर हिमांशु मिश्रा इस समय लखनऊ के प्रतिष्ठित संजय गाँधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट में डीएम नेफ्रॉलोजिस्ट के पद पर कार्यरत है और इंजीनियर अक्षत श्रीवास्तव इस समय भारत की प्रतिष्ठित कंपनी में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। इन दोनों ने महर्षि विद्या मन्दिर बस्ती का नाम रोशन किया। इस अवसर पर दोनों को विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। डॉक्टर हिमांशु मिश्रा के पिता डॉक्टर मदन मोहन मिश्रा जी को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक दीनानाथ सिंह, पंकज श्रीवास्तव, विजय साहनी, आदेशपाल रेवती रमण सिंह आदि मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति के सिद्धांत व उद्देश्यों से कराया अवगत

नौ दिवसीय महर्षि चेतना आधारित शिक्षा प्रशिक्षण में कार्यक्रम

सिटी भास्कर शहडोल। इन हाउस टीचर्स ट्रेनिंग के देशव्यापी प्रशिक्षण के छठवें दिन महर्षि विद्या मंदिर शहडोल में नौ दिवसीय महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षा पद्धति के माध्यम से सीबीएसई के निर्देशानुसार नई शिक्षा नीति 2020 पर चर्चा हेतु सत्र का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ अनूपपुर की प्राचार्य एवं सीबीएसई द्वारा नियुक्त सिटी क्वॉर्डिनेटर उन्नति बी जोशी एवं महर्षि विद्या मंदिर शहडोल की प्राचार्य डॉ. भावना तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गुरू पूजन के साथ किया गया। प्रशिक्षण प्रारंभ करने के पूर्व प्राचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं भावातीत ध्यान एवं सिद्धि के महत्व को बताया गया। इसके पश्चात् रिसोर्स पर्सन उन्नति बी जोशी द्वारा नई शिक्षा नीति का परिचय देते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित शिक्षकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का जबाव देकर उनकी जिज्ञासा का

समाधान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के भावातीत ध्यान एवं सिद्धि शिक्षक पवन कुमार द्विवेदी एवं सविता द्विवेदी द्वारा भावातीत ध्यान के विषय में जानकारी दी गई तथा अभ्यास किया गया।

महर्षि विद्या मंदिर में नौ दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

चेतना विज्ञान पर आधारित प्रशिक्षण में प्रयागराज संभाग के शिक्षक ले रहे भाग

न्याय आपका संवाददाता

सुलतानपुर। महर्षि विद्या मंदिर में शुक्रवार को नौ दिवसीय महर्षि चेतना विज्ञान पर आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ परंपरागत गुरु पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उप जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर यादव व प्रधानाचार्य जे.एन. उपाध्याय ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला का आयोजन महर्षि संस्थान के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश के निर्देशन में पूरे भारतवर्ष के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है। सुलतानपुर में आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र में प्रयागराज संभाग के विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों शिक्षकों ने भाग लिया।

प्रधानाचार्य उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महर्षि द्वारा प्रतिपादित चेतना का विज्ञान मानव जीवन को लक्ष्य की ओर प्रेरित करता है और वैश्विक स्तर पर शांति व ज्ञान की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्य अतिथि जटाशंकर यादव ने कहा कि महर्षि चेतना विज्ञान की अवधारणाएं शिक्षकों को एक नई दिशा देने में सक्षम हैं और यह ज्ञान वैश्विक मंच पर भारत की पहचान को और मजबूत करता है। ध्यान एवं सिद्धि प्रशास्क शैलेंद्र पांडेय और संजीव तिवारी ने महर्षि के 16 सिद्धांतों की व्याख्या करते हुए कहा कि हर शिक्षक पहले स्वयं एक शिक्षार्थी होता है, तभी वह प्रभावी ढंग से शिक्षा दे सकता है। डिप्टी डायरेक्टर पुष्कर तिवारी ने भी अपने संबोधन में ज्ञान की महत्ता पर बल दिया।

महर्षि विद्या मंदिर में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ

प्रयागराज। महर्षि विद्या मंदिर कालिंदीपुरम प्रयागराज में सात दिनी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम वैदिक गुरु परंपरा पूजा के साथ प्रारंभ हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एयर फोर्स विंग कमांडर उपेंद्र ठाकुर का विद्यालय के प्रधानाचार्य नितिन प्रधान ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कोर्स डायरेक्टर पूजा चंदोला एवं सहायक कोर्स डायरेक्टर विजय मिश्रा को भी पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। दोनों ने प्रशिक्षण के विभिन्न बिंदुओं को डीवीडी और व्याख्यान के माध्यम से शिक्षकों के सामने स्पष्ट किया। वहीं तीसरे सेशन में रश्मि सक्सेना ने प्रकाश डाला। भावातीत ध्यान परिचय विषय पर कंचन तिवारी ने व्याख्यान दिया। अंत में महर्षि चेतन आधारित शिक्षा कोर्स-1 विषय से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन रश्मि सक्सेना के निर्देशन में हुआ। ब्यूरो

महर्षि विद्या मन्दिर में पुरस्कार पाकर खिले बच्चों के चेहरे

यूथ इण्डिया संवाददाता

फतेहपुर। नगर स्थित महर्षि विद्या मन्दिर में आदर्श व्यापार मंडल द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभा शुक्ला महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्पार्चन व द्वीप प्रज्वलन से किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया गया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च 97.87 प्रतिशत प्राप्त अंक प्राप्त करने वाले मैत्रेय सिंह एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले सक्षम पाण्डेय व महिमा गुप्ता के अतिरिक्त 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले आयुष्मान सिंह, कुमार विनीत, अक्षिता शुक्ला, सुयश पाण्डेय, विदुषी शाम्भवी, अखण्ड मृदल, साक्षी सचान, संस्कृति गुप्ता, हुस्ने इस्मा, साहिल यादव पार्थ रंजन, दिव्येन्द्र दीवा मिश्रा, पुष्पराज, दक्षा लाल, अनिकेत सिंह, अनुराग, अनवेशा, कनक, शाश्वत, अक्षय, अथर्व आर्यन, सार्थक पटेल, अवनी पटेल, जीविका, अविरल, दिव्या आदि को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल व पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर अपने व्याख्यान दिये। मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य है। शिक्षक बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार देकर उन्हें आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं। महर्षि विद्या मन्दिर इस दिशा में अच्छा कार्य कर रहा है। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जन्म के 300 वर्ष पूरे होने पर कहा कि विषम परिस्थितियों में भी अहिल्याबाई ने मुगलों का सामना किया और 3175 मन्दिरों का निर्माण कराया। उन्होंने राष्ट्र की एकता व अखंडता कायम रखने के लिए देश के कोने-कोने में मठ मन्दिरों का निर्माण कराया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने व बेहतर परीक्षा परिणाम देने के लिए मंत्री के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान (माजा) के तहत कार्यक्रम आयोजित

उद्देश्य समाज में एक सकारात्मक और आध्यात्मिक परिवर्तन लाना है

लोकमित्र ब्यूरो

नैनी(प्रयागराज)। महर्षि विद्या मन्दिर , दूरवाणी नगर , ए.डी.ए. कालोनी नैनी के छात्रों द्वारा महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान कार्यक्रम किया गया । महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी डॉ.गिरीश जी के कुशल मार्गदर्शन में एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गीता अरोरा जी के दिशा निर्देशन में %माजा% कार्यक्रम निर्विघ्न सम्पन्न हुआ । इस शुभ अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे । कार्यक्रम का शुभारंम्भ श्रीगुरूपूजन से हुआ । मन्दिर में प्रतिष्ठित सभी देवी देवताओं का पंचोपचार पूजन एवं दीप प्रज्जवलन प्रधानाचार्या श्रीमती गीता अरोरा द्वारा किया गया । ध्यान शिक्षक

श्री संजय तिवारी जी ने सामूहिक प्राणायाम एवं सामूहिक ध्यान कराया । ध्यानोपरांत उन्होंने भावातीत ध्यान से होने वाले विविध लाभों को बताया । तत्पश्चात् विद्यालय के शिक्षक श्री सतीश मिश्रा ने %माजा% का परिचय एवं मूल उद्देश्यों का सभी को अवगत कराया । उन्होंने बताया कि %माजा% केवल संगठन नही, यह महर्षि जनजागरण अभियान है । एक ऐसा आध्यात्मिक जनजागरण आंदोलन जो व्यक्ति के आत्म विश्वास से राष्ट्र की पुनर्रचना की दिव्य यात्रा है । यह आंदोलन व्यक्ति के भीतर चेतना की लौ जलाकर समाज और राष्ट्र को आलोकित करने का सत्प्रयास करता है । इसके बाद विद्यालय के छात्रों ने गणेश स्तुति , श्रीमद् भगवद् गीता कथा का वाचन जिसमें श्री कृष्ण के विराट स्वरूप का वर्णन किया । महिषासुर मर्दिनी स्तोत्र, भजन, कलि-कल्कि संवाद कविता प्रस्तुत किया । अंत में भगवान शिव की आरती एवं पुष्पाञ्जलि किया गया । प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

इस अवसर पर शिव मंदिर समिति की सदस्या श्रीमती वीणा आनंद एवं श्रीमती अमीता चंद्रा ने छात्रों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और प्रधानाचार्या से निवेदन किया कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से कराए जाएं। प्रधानाचार्या श्रीमती गीता अरोरा ने उपस्थित श्रद्धालुओ को धन्यवाद दिया और बताया कि %माजा% का उद्देश्य मात्र यही है कि घर-घर में श्री रामचरित्र मानस और भगवद गीता का नियमित पाठ हो, जिससे घर और समाज का वातावरण शुद्ध हो सके।

योग भारत की प्राचीन परम्परा और सांस्कृतिक धरोहर का एक हिस्सा: प्रमोद कुमार

सांध्य हलचल ब्यूरो

फतेहपुर। महर्षि विद्या मन्दिर फतेहपुर में महर्षि विश्व शान्ति आन्दोलन के तत्वाधान में 11 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ वैदिक गुरु परम्परा पूजन से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह बड़े हर्ष और गर्व का विषय है कि भारत की पहल पर 175 देशों ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए अपना समर्थन दिया। योग भारत की प्राचीन परम्परा और सांस्कृतिक धरोहर का एक हिस्सा है। यह केवल व्यायाम नहीं अपितु एक ऐसी विधा है जो शरीर मन और आत्मा को जोड़ने का कार्य करती है। हमें अपने भाग दौड़ भरी जिन्दगी से ऊपर उठकर स्वयं के लिए कुछ समय अवश्य निकालना चाहिए। योग शारीरिक मानसिक तथा अध्यात्मिक संतुलन स्थापित करने के लिए हमें प्रेरित करता है।

आज समय की आवश्यकता है कि इसे व्यक्तिगत और राष्ट्रीय जीवन के लिए जन आन्दोलन का रूप दें। तभी व्यक्ति, परिवार समाज और राष्ट्र का कल्याण सम्भव है। हम सबका परम सौभाग्य है कि परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी ने पूरे विश्व में योग और ध्यान का उपहार देकर सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ और निरोगी रहने की सहज सरल, स्वाभाविक तथा प्रयासहीन तकनीकि भावातीत ध्यान की पद्धति उपहार स्वरूप प्रदान की है। इसके नियमित अभ्यास से हम जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर स्वस्थ निरोगी और लम्बी आयु जी सकते हैं। विद्यालय के शिक्षक, छात्र, एन०सी०सी० के कैडेट, अभिभावक सहित भारी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। योग आसन के क्रम में सूर्य नमस्कार ताड़ासन वृक्ष आसन शलभासन, शशांक आसन तथा अनुलोम विलोम प्राणायाम तथा सामूहिक भावातीत ध्यान का अभ्यास योगाचार्यों तथा ध्यान शिक्षको द्वारा कराया गया।

महर्षि के होनहार सिद्धार्थ चन्देल का लाइंग ऑफिसर पद पर हुआ चयन

सांध्य हलचल ब्यूरो

फतेहपुर। नगर स्थित महर्षि विद्या मन्दिर के छात्र सिद्धार्थ चंदेल पुत्र विक्रम सिंह चंदेल ए० एफ० सी० ए० टी० की परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर चयनित हुये हैं। यह परीक्षा फरवरी 2024 में सम्पन्न हुई जिसमें इन्होंने ऑल इंडिया रैंक-135 हासिल कर

अपने शहर व स्कूल का गौरव बढ़ाया है। इन्होंने 2019-20 सत्र में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। सिद्धार्थ कक्षा द्वितीय से 12वीं तक की शिक्षा इसी विद्यालय से ग्रहण की है। सिद्धार्थ ने अपनी सफलता के बारे में बताया कि विद्यालय में सिखाये गये कड़े अनुशासन और संस्कार युक्त शिक्षा का उनकी सफलता में अप्रतिम योगदान है। इसके लिए मैं अपने विद्यालय के प्रति सदैव कृतज्ञ रहूँगा। विद्यालय आने पर प्रधानाचार्य ने सिद्धार्थ और उनके पिता को बधाई दी और छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्होंने कहा कि हमें सिद्धार्थ की सफलता पर बहुत गर्व है, यह उनकी मेहनत और हमारे स्कूल की शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण है। सिद्धार्थ चन्देल की यह उपलब्धि उनकी मेहनत और लगन को दर्शाती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने माल्यार्पण व मिठाई खिलाकर बच्चे को निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की अपनी शुभकामनाएं दी।

शिक्षार्थी नौकर या सेवक न बने बल्कि वह नेतृत्वकर्ता बने :ब्रह्मचारी गिरीश

खुसरो मेल ब्यूरो

सुल्तानपुर। सिटी क्षेत्र के महर्षि शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित महर्षि चेतना पर आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला के द्वितीय सत्र सीबीएसई इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर डी.पी मिश्रा प्राचार्य इंदिरा गांधी पीजी कॉलेज व जे एन उपाध्याय प्रधानाचार्य महर्षि विद्या मंदिर सुल्तानपुर ने संयुक्त रूप से परंपरागत गुरु पूजा व दीप प्रज्वलित कर किया। महर्षि संस्थान के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी के निर्देशन में संचालित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला जो कि भारत में स्थित महर्षि विद्या मंदिर के सभी संस्थानों में संचालित हो रही है जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर शांति एवं ज्ञान का समन्वित रूप स्थापित करना है।

प्रधानाचार्य महर्षि विद्या मंदिर सुल्तानपुर ने कार्यक्रम की रूपरेखा से परिचित कराते हुए महर्षि संस्थान के प्रशिक्षण में भाग ले रहे सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का स्वागत किया तथा उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा

कि महर्षि द्वारा संपादित चेतना का विज्ञान ऐसा उपागम है जो कि मानव मात्र के कल्याण के लिए प्रमुख रूप से उत्तरदायी है। एन ई पी 2020 पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सीखने के लिए सतत मूल्यांकन पर जोर देना चाहिए और यह मूल्यांकन ऐसा हो जो विविधता से परिपूर्ण हो तथा पूर्ण समता और समावेशन का भाव निहित हो। सत्र के मध्य ऑनलाइन माध्यम से महर्षि शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी ने संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक का यह कर्तव्य है कि ज्ञान सभी तक पहुंचे और वह ज्ञान ऐसा हो कि शिक्षार्थी नौकर या सेवक ना बने बल्कि वह नेतृत्व कर्ता बने और यह तभी संभव होगा जब हम अपने आप को चेतना में स्थापित करेंगे चेतना में स्थापित होने पर छात्र अजेयता को प्राप्त कर लेगा। शिक्षक को डमी नहीं होना चाहिए बल्कि उसे सर्व समर्थ होना चाहिए। उसे ओजस्वी होना चाहिए जिससे छात्रों के बेहतर भविष्य का निर्माण करने में सहयोगी बन सके। ज्ञान कहीं से भी मिले, ज्ञान प्राप्ति करने में बहाने बाजी नहीं करनी चाहिए। ज्ञान प्राप्त करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉक्टर डी पी मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि तथ्यात्मक शिक्षा ही शिक्षा नहीं बल्कि चेतना की शिक्षा सर्वोपरि होती है यह चेतना मस्तिष्क में निहित सुप्तपन को दूर करने में सहयोगी होती है जिससे हम सृजनात्मक स्वरूप को धारण करने में सक्षम होते हैं। उन्होंने एन ई पी 2020 पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा अधिक समावेशी हो गई है जो की सभी के लिए सुलभ है उसकी प्रासंगिकता में ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है उन्होंने यह भी बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 अवधारणात्मक समझ पर जोर देने वाली प्रणाली है जो की रचनात्मक और तार्किक सोच को बढ़ावा देने वाली होती है इससे नैतिकता, मानवीय पक्ष और संवैधानिक मूल्य विकसित होते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षा एक समवर्ती विषय है जो की पूर्ण समता और समावेशन प्रक्रिया को बढ़ावा देने वाली होती है उन्होंने शैक्षिक प्रणाली के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि शैक्षिक प्रणाली का उद्देश्य अच्छे इंसानों का विकास करना है जो तर्कसंगत विचार और कार्य करने में सक्षम हो जिसमें करुणा, सहानुभूति, साहस, लचीलापन, वैज्ञानिक चिंतन और रचनात्मक कल्पना शक्ति तथा नैतिक मूल्यों का समावेश हो।

Just to remind your goodself

Dear Readers,

We are very pleased to release 193th edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi Organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15th of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/ corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.
17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.

19. Performance of any special Anushthan or Yagyas.

20. Vedic celebration reports.

21. Excursion tour reports.

22. Corporate visit, corporate training etc.

23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.

24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.

25. Report on academic or commercial collaborations.

26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.

27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.

28. Report on activities of Maharishi Global Movement.

29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail cpr@mssmail.org as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site www.e-gyan.net.

With All the Best Wishes
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

V. R. Khare
For Editorial Board,
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

Copyright © 2025 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of ***Maharishi Ved Vigyan Prakashan.***
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, *Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh,* ***Phone:*** *+91 755 4087351*